जगतपुरा इलाके में सीवरेज लाइन डालने में गड़बड़ी कर रहा ठेकेदार

42.79 लाख का काम 26 फीसदी कम रेट पर करीब 31.66 लाख रु. में लिया, अब लागत बचाने के लिए पाइप लाइन के पास सीमेंट व रोडी-कंक्रीट तक नहीं डाली जा रही

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम द्वारा जगतपुरा इलाके के सीवरेज लाइन डालने के दौरान भारी खामियां छोड़ी जा रही है। जैसे कि पाइपलाइन के नीचे और ऊपर रोडी-कंक्रीट व सीमेंट नहीं डाली जा रही। कहीं-कहीं पर तो क्रेक हो चुके पाइप भी डाल दिए गए। पाइप के जोड़ (ज्वॉइंट) पर लीकेज रोकने के लिए कोई रबड़ नहीं लगाया। तमाम खामियां उजागर होने के बावजूद भी जोन के इंजीनियर्स, ठेकेदार फर्म के काम को सही बताने में जुटे हैं।

सूत्रों की मानें तो वार्ड 115 में रावत पब्लिक स्कूल से साबरमती अपार्टमेंट होते हुए 100 फुट रोड बड़े नाले की ओर सीवरेज लाइन डालने

- **वार्ड 115 में रावत पब्लिक स्कूल से साबरमती अपार्टमेंट होते हुए 100 फुट रोड बड़े नाले की ओर डाली जा रही है सीवरेज लाइन**

का काम ग्रेटर नगर निगम द्वारा करवाया जा रहा है। जगतपुरा जोन प्रशासन ने करीब 42.79 लाख रु. का टैंडर लगाया था, इस निविदा में 9 फर्मों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मैसर्स शिवचंद मौर्य, मैसर्स राज कंस्ट्रक्शन कंपनी, मैसर्स गोविंदराम एंड कंपनी, संभव कंस्ट्रक्शन, मैसर्स जे.के.एंटरप्राइजेज, अलहुरिया कंस्ट्रक्शन कंपनी, मैसर्स दाऊजी कंस्ट्रक्शन, मैसर्स अटल कंस्ट्रक्शन और मैसर्स नोगिया कंस्ट्रक्शन कंपनी शामिल थी।

इसमें से श्री दाऊजी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने यह ठेका करीब 26 प्रतिशत कम रेट पर 31.66 लाख रु. में लिया। जबकि इस टैंडर में शामिल अन्य फर्मों ने 3 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक कम रेट डाली थी। चूंकि आमतौर पर सिविल वर्क के टैंडर तय निविदा राशि से 5-10 प्रतिशत ऊंची अथवा नीची दर पर छूटते हैं, क्योंकि नगरीय निकायों की रेट और बाजार खर्च में अंतर है। इसके बावजूद श्री दाऊजी

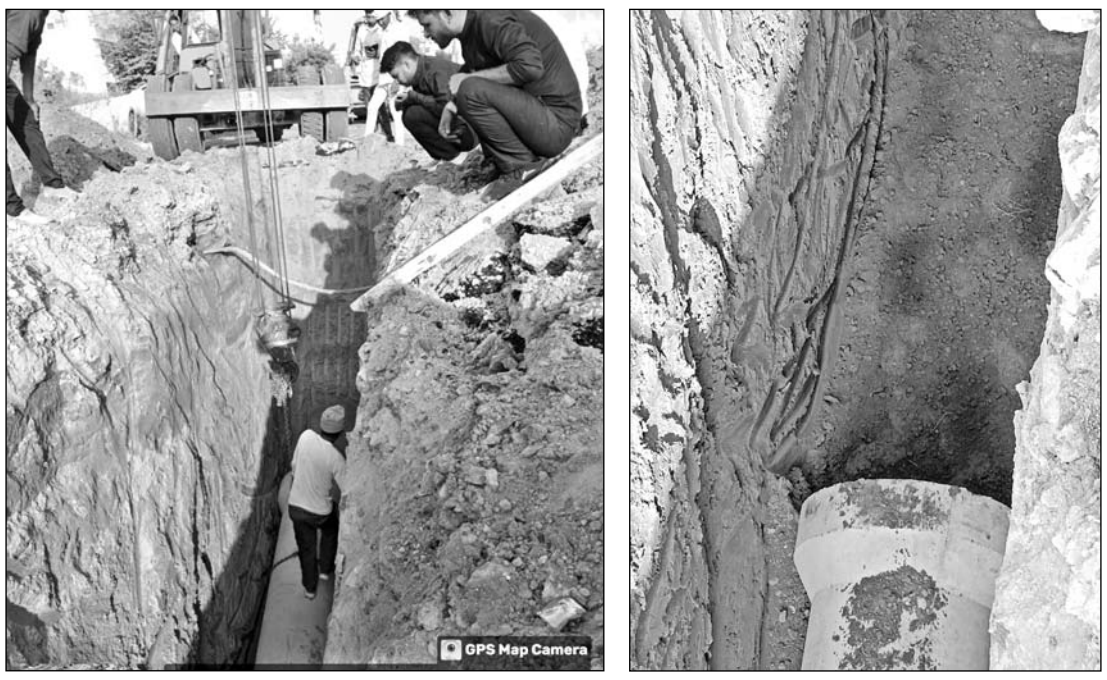

ग्रेटर नगर निगम के जगतपुरा जोन क्षेत्र में बिछाई जा रही सीवरेज लाइन में सीमेंट व रोडी-कंक्रीट तक नहीं डाला जा रहा।

कंस्ट्रक्शन कंपनी ने 26 प्रतिशत कम रेट पर यह ठेका लेकर सभी फर्मों को हैरत में डाल दिया, क्योंकि इतनी कम लागत पर सीवरेज लाइन डालने का कार्य पूरा करना संभव नहीं रह जाता। इसका दूसरा कारण यह भी है कि कुल निविदा की करीब 15-20 प्रतिशत राशि तो टैक्स व अन्य खर्च में चली जाती है। ऐसे में अगर यह पूरा खर्च जोड़ा जाए तो यह सीवरेज कार्य तय लागत राशि की आधी रेट यानि करीब 22-23 लाख रु. में पूरा होना होगा।

उधर सीवरेज लाइन डालने का काम लेने के बाद श्री दाऊजी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने अपनी लागत बचाने के लिए कमजोर क्वालिटी के पाइप डालना शुरू कर दिया। यहां तक कि पाइप लाइन के नीचे-ऊपर की तरफ रोडी-कंक्रीट व सीमेंट का मसाला तक नहीं डाला जा रहा है। ठेकेदार के लोग तुरंत जे.सी.बी. मशीन से खुदाई करके पाइपलाइन दबाकर तुरंत मिट्टी डाल रहे हैं, ताकि उनकी कारगुजारी पकड़ी नहीं जा सके। वार्ड 115 के लोगों ने जब सीवरेज लाइन का यह घटिया कार्य देखा तो इसकी तस्वीरें खींचकर स्थानीय पार्षद और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ नगर निगम के अधिकारियों को भेजी।

इस प्रकरण में पार्षद विनोद शर्मा ने बताया कि मेरे पास भी कुछ लोगों की शिकायत आई है, मैं कल ही मौके पर जाकर देखता हूं। अगर कहीं पर घटिया निर्माण किया जा रहा है तो उसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस बारे में जगतपुरा जोन के अधिशाषी अभियंता से भी बात करेंगे।

अधिशाषी अभियंता पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि सीवरेज लाइन डालने का काम चल रहा है, मैं कल खुद मौके पर जाकर जांच करूंगा। अगर कहीं पर गड़बड़ी होगी तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उनसे पहले कनिष्ठ अभियंता श्याम सुंदर शर्मा से बात की गई तो उन्होंने किसी भी सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य में किसी भी तरह की खामी होने से मना कर दिया। जबकि स्थानीय लोगों ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उसमें साफ दिख रहा है कि पाइपलाइन के आसपास रोडी-कंक्रीट का मसाला तक नहीं है।

जयपुर ज्वैलरी शो का आगाज आज

जयपुर। देश के नंबर वन बी2बी एवं बी2सी शो- रत्न एवं आभूषण के महाकुंभ "जयपुर ज्वलैरी शो" (जेजेएस) का 20 दिसंबर, शुक्रवार को सुबह 11 बजे जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में भव्य आगाज होगा। शो का उद्घाटन उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे।

इस वर्ष जेजेएस की थीम रूबीज... रेयर, रॉयल और रेवर्ड है। पिछले दो वर्षों में एमरल्ड पर फोकस करने के बाद, इस वर्ष शो में रूबी आभूषणों की विविधता, उनकी गुणवत्ता और डिज़ाइनों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस विशेष रत्न को प्रमोट करने के लिए जेजेएस रूबी प्रमोशन ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें 15 सदस्य शामिल हैं और जेमफील्ड्स इसका प्राइन पार्टनर है। यह जानकारी जेजेएस चेयरमैन विमल चंद सुराणा ने दी। जेजेएस के मानद सचिव राजीव जैन और प्रवक्ता अजय काला ने बताया कि इस वर्ष शो में 1200 से अधिक बूथ्स होंगे। जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है और पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इनमें से 329 बूथ्स जेमस्टोन्स की होंगी, 723 बूथ्स पर ज्वैलरी प्रदर्शित की जाएगी।

30 हजार रुपए रिश्वत के साथ सफाईकर्मी गिरफ्तार

- **अतिक्रमण हटाने की एवज में उपायुक्त के नाम पर आरोपी ने एक लाख रु. मांगे थे, बाद में सौदा 50 हजार में तय किया**
- **करीब 2 माह बाद भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने पैसे मांगे तो आरोपी ने उसे 30 हजार रु. लौटाये, तभी ए.सी.बी. ने उसे दबोच लिया**

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार शाम नगर निगम हैरिटेज में कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाने के एवज में परिवादी से 1 लाख रुपए मांगे थे, बाद में आरोपी सफाई कर्मचारी ने 50 हजार रुपए लिए थे। काम नहीं होने पर रिश्वत के 30 हजार रुपए वापस लौटाते समय ए.सी.बी. ने उसे धर-दबोचा। एसीबी टीम सफाईकर्मी के घर पर सर्च के साथ ही हवामहल-आमेर जोन सीमा चौधरी से भी पूछताछ कर रही है।

एडिशनल एसपी बलराम मीणा के नेतृत्व में एसीबी टीम ने यह कार्रवाई नगर निगम हैरिटेज के हवामहल-आमेर जोन में की। एसीबी ने सफाई कर्मचारी हरिज्ञान गुर्जर को रिश्वत की राशि लौटाते हुए गिरफ्तार किया है। घूसखोर सफाई कर्मचारी हरिज्ञान गुर्जर ने परिवादी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करवाने की एवज में 1.50 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। उसके बाद 50 हजार रुपए लेकर अतिक्रमण हटाने की गारंटी ले ली। करीब 2 महीने बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर परिवादी ने रुपए लौटाने का दबाव बनाया। तब घूसखोर हरिज्ञान गुर्जर ने परिवादी को बुलाकर 30 हजार रुपए सौंप दिए। इस बीच एसीबी ने रिवर्स ट्रैप करते हुए हरिज्ञान गुर्जर को ट्रैप कर लिया।

एसीबी इस मामले में हवामहल जोन उपायुक्त सीमा चौधरी की भूमिका की भी जांच कर रही है। एसीबी को घूसखोर के बयानों से संदेह है कि उपायुक्त के कहने पर ही सफाई कर्मचारी रिश्वत की रकम मांगकर पीड़ित को परेशान कर रहा था।

हैरिटेज निगम आयुक्त अरूण हसीजा ने किया सफाई व्यवस्था सुधारने पर मंथन

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी जोन उपायुक्त और अन्य निगम अधिकारी को निर्देश देकर वार्डों में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। गुरुवार को सिविल लाइन जोन में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के अंतर्गत बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता सिविल लाइन जोन उपायुक्त हंसा मीणा ने की, जिसमें जोन के सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक और नागपुर वेस्ट जोनल मैनेजर उपस्थित रहे।

हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी जोन उपायुक्त और अन्य निगम अधिकारियों की बैठक लेकर सफाई पर चर्चा की।

बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत सिविल लाइन जोन के सिटी प्रोफाइल के अनुसार चिन्हित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की योजना बनाई गई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि चयनित आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाए। उपायुक्त हंसा मीणा ने चिन्हित क्षेत्रों में दिन में दो बार सफाई करने, सफाईकर्मियों को तय वर्दी में रहने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सुधारने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों और अन्य संबंधित अधिकारियों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से निगरानी करें और किसी भी समस्या का शीघ्र समाधान करें। उपायुक्त हंसा मीणा ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समर्पण और सहयोग के साथ कार्य करें। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में जयपुर को देशभर में उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त हो।

जलदाय कर्मचारियों ने किया विरोध-प्रदर्शन

प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने गुरूवार को ज्योति नगर अधिशाषी अभियंता कार्यालय पर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

जयपुर (कासं)। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक जिला जयपुर के नेतृत्व में गुरूवार को सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों ने ज्योति नगर अधिशाषी अभियंता कार्यालय पर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

- **कार्मिकों ने भुगतान समय पर करने, जर्जर पंप हाऊस की मरम्मत, पदोन्नति व स्थायीकरण मांगा**

संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, कार्यवाहक अध्यक्ष केदार शर्मा, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, खण्ड अध्यक्ष गंगासहाय मीणा, यूथ अध्यक्ष विनोद मीना, जिला सलाहकार गिर्राज पारीक, वृत अध्यक्ष मोहनलाल पालीवाल ने बताया कि सम्बधित अभियंताओं को कई बार समस्याओं को लेकर अवगत करवाया जा चुका है, परन्तु समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस कारण गुरूवार को प्रांतीय नल मजदूर यूनियन ने अधिशाषी अभियंता देवेंद्र शर्मा को अवगत करवाया और 7 सूत्री मांग पत्र सौंपा, जिस पर उन्होंने जल्द ही समस्याओं के निदान के लिए आश्वासन दिया है।

हमारी मांग है कि कर्मचारियों को समयबद्ध पीपीओ जारी हो। कार्मिकों का आर्थिक भुगतान समय पर हो, जर्जर पम्प हाउस की मरम्मत हो,पम्प हाउस पर उचित कार्मिको की व्यवस्था हो। इसके साथ ही पदोन्नति और स्थायीकरण किया जाये।

तेज रफ्तार ट्रोले ने युवक को रौंदा, मौत

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रोले की टक्कर से युवक की मौत हो गई। घर जाने के लिए युवक रोड पार कर रहा था, तभी ट्रोले ने उसे टक्कर मार दी। करीब 50 मीटर तक ट्रोला उन्हें अपने साथ घसीटते हुए ले गया। एक्सीडेंट थाना पुलिस (वेस्ट) ने शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। परिजनों की मौजूदगी में शुक्रवार सुबह शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि हादसे में ताराचन्द शर्मा (45) पुत्र रामसहाय शर्मा निवासी फतेहपुरा बेगस बगरू की मौत हो गई। वह परिवार के साथ कालवाड़ रोड स्थित हनुमान वाटिका-ए गोकुलपुरा में रहते थे।

वह कूकरखेड़ा मंडी में काम करते थे। दोपहर करीब 2:30 बजे वह घर जाने के लिए मंडी से पैदल निकले थे, मुरलीपुरा हाईवे पर हर्ष होटल के पास रोड पार कर रहे थे। इसी दौरान ओवर स्पीड ट्रोले ने उनको अपनी चपेट में ले लिया। ट्रोले के रौंदते हुए निकल जाने के चलते मौके पर ही ताराचन्द की मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से ट्रोला लेकर फरार हो गया।

हादसे की सूचना पर एक्सीडेंट थाना पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस ने ट्रोले और ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

'सिटी पार्क के बदले हाऊसिंग बोर्ड को दी जाये 1800 करोड़ की भूमि'

आवासन मंडल कर्मचारी संघ की बैठक में यह मुद्दा गूंजा

हाउसिंग बोर्ड कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी की बैठक हुई।

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड कर्मचारी संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को बोर्ड मुख्यालय में हुई। इसमें कर्मचारियों ने प्रशासन के समक्ष अपनी विभिन्न मांगों को उठाने और उसके लिए आंदोलन करने की रणनीति पर चर्चा की। इसमें सबसे प्रमुख मुद्दा सरकार से जमीने दिलाने का है। इस बैठक में कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। संघ के महासचिव प्रदीप शर्मा ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार के आदेश पर हाऊसिंग बोर्ड ने मानसरोवर में सिटी पार्क की जमीन दी थी, जिसकी एवज में सरकार ने 1800 करोड़ रुपए सममूल्य की जमीन प्रदेश के अन्य शहरों में देने की बात कही थी, लेकिन आज तक इस जमीन का आवंटन नहीं हुआ। हमारी मांग है कि, प्रदेश में जहां-जहां पर हाऊसिंग बोर्ड की अवाप्तशुदा जमीनों पर अवैध कब्जे हो रखे है, उन्हें खाली करवाया जाए, ताकि बोर्ड उन जमीनों पर आमजन के लिए आवासीय योजनाएं सृजित कर सके। उन्होंने बताया कि हम प्रशासन ने जल्द ही रेन्टल हाउस स्कीम चालू कराने, जीआरएस स्कीम चालू कराने और मण्डल में शेष खाली पड़े पदों पर भी जल्द नई भर्ती करवाने की मांग करेंगे। इस मौके पर बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.सी. बुढानिया, उपाध्यक्ष पंकज गर्ग, सुभाष यादव, संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी मौजूद थे।

इंडियाज़ टॉप 200 सेल्फ मेड आंत्रप्रेन्योर्स की सूची जारी की

जयपुर (कासं)। आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट बैंकिंग और हुरुन इंडिया ने आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट एंड हुरुन इंडियाज़ टॉप 200 सेल्फ-मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 का दूसरा संस्करण जारी किया है। यह सूची 200 सबसे मूल्यवान भारतीय कंपनियों की है, जिनकी स्थापना वर्ष 2000 के बाद हुई है। इन कंपनियों की रैंकिंग उनके मूल्यांकन के आधार पर की गई है, जिसमें सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बाजार पूँजीकरण और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के लिए मूल्यांकन शामिल हैं। हैड- वेल्थ मैनेजमेंट एंड प्राइवेट बैंकिंग विकास शर्मा ने बताया किइस सूची में सभी कंपनियों का कुल मूल्य 36 लाख करोड़ रुपए है। इंडियाज़ टॉप 200 सेल्फ-मेड आंत्रप्रेन्योर्स ऑफ द मिलेनिया 2024 में देशभर के 46 शहरों के उद्यिमयों को शामिल किया गया है। बेंगलुरु इस सूची में 98 उद्यिमयों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद मुंबई में 73 और नई दिल्ली में 51 उद्यमी शामिल हैं। ये तीनों शहर सूची में शामिल उद्यिमयों का आधे से अधिक हिस्सा बनाते हैं। सूची में वित्तीय सेवाओं की 50 कंपनियों का प्रभुत्व है, जबकि स्वास्थ्य सेवा और खुदरा क्षेत्र में 25-25 कंपनियाँ है।

सार-समाचार

दशहरा मैदान में युवक ने फांसी लगाई

जयपुर। आदर्श नगर इलाके के दशहरा मैदान में गुरूवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। जहां शव था, वहीं पर जमीन पर अंगुली से लिखा हुआ था ""यह मेरे पापों का प्रतिफल है।" मार्निंग वॉक पर आए लोगों ने सुबह 8 बजे पेड़ पर फंदे से लटका युवक का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, मृतक नरेंद्र (30) भरतपुर के सुभाष नगर का रहने वाला था। वह मानसिक रूप से बीमार था। बुधवार सुबह उसका भाई धीरेंद्र भरतपुर से उसे लेकर जयपुर डॉक्टर को दिखाने आया था। मोती डूंगरी इलाके स्थित गंगवाल पार्क के पास डॉ. दिनेश खंडेलवाल को दिखाने के लिए पेशेंट का नंबर लगा रखा था। धीरेंद्र और नरेंद्र पार्क में बैठकर नंबर का इंतजार कर रहे थे। शाम करीब 6 बजे धीरेंद्र को झपकी लग गई। मौका पाकर नरेंद्र वहां से निकल गया। धीरेंद्र ने काफी ढूंढा, लेकिन नरेंद्र नहीं मिला। माना जा रहा है कि देर रात फंदा लगाकर उसने सुसाइड किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पिछले सात दिन में नरेंद्र भरतपुर स्थित घर पर दो बार सुसाइड की कोशिश कर चुका था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया।

तीसरी मंजिल से गिरने से महिला की मौत

जयपुर। सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान की तीसरी मंजिल से गिरने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के मामले में उसके बेटे ने ठेकेदार और मकान मालिक पर लापरवाही का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बुद्धिसंह पुरा निवासी दीपक महावर ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी मां 44 वर्षीय मूलीदेवी सीतापुरा में एक ठेकेदार के मार्फत काम करने जाती थी। 17 दिसम्बर को एक निर्माणाधीन मकान की तीसरी मंजिल पर काम करने के दौरान संतुलन बिगड़ा और उसकी मां वहां से नीचे आ गिरी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले की जांच एएसआई कल्याण प्रसाद कर रहे है।

प्रदेश की 9 निकायों में होंगे उपचुनाव

जयपुर (कासं)। प्रदेश की 9 नगरीय निकायों (नगर पालिका/नगर परिषद) में खाली वार्डों पर उपचुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को शेड्यूल जारी कर दिया है। ज्ञात रहे कि बांसवाड़ा जिले की कुशलगढ़ नगर पालिका के वार्ड 17 और अध्यक्ष पद, नगर पालिका कपासन के वार्ड 17, दौसा नगर परिषद के वार्ड 17, नगर पालिका पीलीबंगा के अध्यक्ष पद के लिए, नगर पालिका फुलेरा के वार्ड 18, नगर परिषद झालावाड़ के वार्ड 13, नगर पालिका पीपाड़ शहर के वार्ड 30, नगर परिषद सवाई माधोपुर के वार्ड 55 और नगर पालिका रींगस के वार्ड 12 और अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव करवाए जाएंगे। शेड्यूल के मुताबिक इन निकायों में उपचुनाव के लिए वोटिंग 9 जनवरी को होगी, जबकि 10 जनवरी को मतों की गणना करके रिजल्ट घोषित किया जाएगा। वार्डों में उपचुनाव के बाद तीन निकायों में अध्यक्ष पद के भी चुनाव करवाए जाएंगे। आयोग से जारी शेड्यूल के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 26 दिसंबर को जारी की जाएगी, जिसके साथ ही नामांकन पत्र भरने शुरू हो जाएंगे। नामांकन भरने का आखिरी दिन 30 दिसंबर होगा और अगले दिन यानी 31 दिसंबर को प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। बताया जा रहा है कि चुनाव लड़ने के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार अगर चुनाव नहीं लड़ना चाहते तो उन्हें नाम वापसी के लिए 2 जनवरी तक का समय दिया जाएगा। इसके बाद 3 जनवरी को चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर 9 जनवरी को वोटिंग करवाई जाएगी। वोटिंग का समय सुबह 8 से शाम 5 बजे तक रहेगा। 10 जनवरी को सुबह 9 बजे मतगणना शुरू की जाएगी और दोपहर तक परिणाम जारी कर दिया जाएगा। जिन तीन निकायों में अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग होनी है उसके लिए भी शेड्यूल जारी किया है। अध्यक्ष पद के लिए अधिसूचना 13 जनवरी को जारी की जाएगी। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार 14 जनवरी तक अपना नामांकन पत्र भरकर दे सकते है। नाम वापसी के लिए 16 जनवरी तक का समय होगा और उसके बाद जरूरत पड़ने पर 20 जनवरी को वोटिंग करवाई जाएगी। वोटिंग का समय सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। वोटिंग के खत्म होने के तुरंत बाद मतगणना शुरू होगी और शाम तक परिणाम जारी किया जाएगा।

आई.ई.एम-यू.ई.एम. समूह ने संस्थापक प्रो. डॉ. सत्यजीत चक्रवर्ती के निधन पर शोक जताया

जयपुर (कासं)। आईईएम-यूईएम समूह ने संस्थापक प्रो. डॉ. सत्यजीत चक्रवर्ती के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने घोषणा की कि 19 दिसंबर को चक्रवर्ती का निधन हो गया।

इंजीनियरिंग और शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्ति, डॉ. चक्रवर्ती के दूरदर्शी नेतृत्व और अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के शैक्षिणक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समूह ने डॉ. चक्रवर्ती के परिवार, सहकर्मियों, छात्रों और उन सभी के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई, जो उनकी बुद्धिमत्ता और दयालुता से प्रभावित हुए। उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनका दृष्टिकोण और योगदान सदैव अमर रहेगा तथा भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

वर्ष1947 में पश्चिम बंगाल में जन्मे डॉ. चक्रवर्ती की शैक्षणिक यात्रा उत्कृष्टता और ज्ञान की निरंतर खोज से चिह्नित थी। उन्होंने रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज (अब एनआईटी), दुर्गापुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की उपाधि प्राप्त की, उसके बाद प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खडगपुर से एम.टेक की उपाधि प्राप्त की। ज्ञान की उनकी खोज ने उन्हें बर्दवान विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएच.डी. और मिसौरी विश्वविद्यालय, यूएसए से एमबीए प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. चक्रवर्ती का कॅरियर उद्योग और शिक्षा दोनों में फैला हुआ है। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की, 1971 से 1984 तक पश्चिमी क्षेत्र के प्रभारी प्रमुख के रूप में कार्य किया। इसके बाद, उन्होंने 1984 से 1994 तक न्यूयॉर्क, यूएसए में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में ब्रिटिश अमेरिका इन्वेस्टर्स कॉरपोरेशन में उपाध्यक्ष का पद संभाला। वर्ष 1994 में, डॉ. चक्रवर्ती कोलकाता में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में निदेशक की भूमिका निभाने के लिए भारत लौट आए, जहाँ उन्होंने 2011 तक काम किया। उनके कार्यकाल में शैक्षिक मानकों और बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। उन्होंने 1997 से 2006 तक पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य के रूप में भी काम किया और कोल इंडिया लिमिटेड और विजाग पोर्ट ट्रस्ट सहित प्रमुख संगठनों को परामर्श प्रदान किया।

शिक्षा के प्रति डॉ. चक्रवर्ती की प्रतिबद्धता ने जयपुर और कोलकाता में परिसरों के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) की स्थापना की। कुलपति के रूप में, उन्होंने छात्रों के बीच मानवीय मूल्यों और अनुशासन को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किया जो प्राचीन भारतीय आश्रम के लोकाचार को समकालीन पश्चिमी शैक्षिक तकनीकों के साथ जोड़ता हो।

डॉ. चक्रवर्ती ने मशीन टूल्स, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स, विमानन, वैकल्पिक ईंधन और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके काम ने उन्हें पिछले दशक में भारतीय औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सर्वोच्च योगदान के लिए 1999 में प्रतिष्ठित गोल्ड मैडल दिलाया। डॉ. चक्रवर्ती को वर्ष 2013 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय से एजुप्रेन्योर अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी गई।

लूटपाट गैंग का सरगना और दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड से गंतव्य को जाने वाले यात्री को कार मे बैठाकर लूट करने वाली गैंग का खुलासा कर गैंग के मुख्य सरगना सहित दो आरोपी बापर्दा गिरफ्तार किया है और साथ ही पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने श्याम नगर की पांच वारदात सहित जयपुर शहर की एक दर्जन वारदातों का खुलासा किया है। इसके अलावा पुलिस ने गैंग के सरगना से लूटा गया सामान भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण जयपुर दिगंत आनन्द ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड से गंतव्य को जाने वाले यात्री को कार मे बैठाकर लूट करने वाली गैंग के तीन शातिर बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।गैंग के सरगना से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपियों को शिनाख्तगी के लिए न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया गया। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी घटना वाले दिन अपने-अपने फोन बंद करके चौपहिया वाहन लेकर जयपुर शहर से बाहर के बडे बस स्टेन्ड 200 फीट चौराहा कुंभा मार्ग, 14 नंबर बस स्टेन्ड, ट्रांसपोर्ट चौराहे पर खडे हो जाते है। गैंग का सरगना गाडी में ही बैठा रहता है तथा एक आरोपी गाडी से चलने के लिए सवारी ढूँढता है तथा दूसरा बस स्टेन्ड पर अन्जान बनकर खडा हो जाता है । सवारी मिलने पर दूसरा आरोपी भी उसी गाडी में आगे वाली सीट पर जाने के लिए बैठ जाता है। सवारी को बैठाकर कुछ दूर चलते ही चाकू, पेचकस या पिस्टल दिखाकर पीड़ित से रकम ऐंठ लेते है।